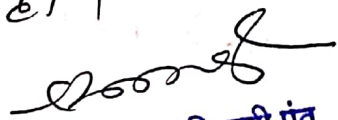


का अवलोकन किया तो स्पष्ट
है कि बाद में आरजी उभय-
पक्षकारों की शामिल आरजी है
तथा ऊनी विनियम विभाजन
नहीं हो रहा है अतः महजतेदार
के विरुद्ध बिना विभाजन अंतरिम
निषेधाज्ञा जारी करने हेतु
प्रथम दृष्टया मांगती ही नहीं
बनता है अतः प्राचीन का
प्राचीन - पत्र तारहीन होने से
खारिज किया जाता है पत्रसली
प्रेशल-अंतर है मूल वार के
साथ संलग्न है न. न. का
है।



उपखण्ड अधिकारी एवं
पदेन सहायक कलेक्टर
पीसांगन